

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	राजस्थान में लिथियम उत्पादन
2.	NFSA के तहत 'गिव अप अभियान'
3.	नेशनल ट्राईबल फूड फेस्टिवल-2025 : उदयपुर
4.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट - 2026 2. जल जीवन मिशन के लिए ₹1507.16 करोड़ स्वीकृत 3. विश्व पशु कल्याण दिवस : राज्य स्तरीय कार्यक्रम 4. 44वाँ इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर : राजस्थान साझेदार राज्य 5. उर्वशी चौहान : 'अंतरराष्ट्रीय शिक्षक रत्न' मानद उपाधि 6. 16वीं विधानसभा का चौथा सत्र 7. ललित तिवारी : राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार से सम्मानित 8. ज्योति चौधरी : राजस्थान T-20 क्रिकेट टीम की नई कप्तान 9. 28वाँ लोकरंग महोत्सव : जयपुर 10. 69वीं राज्य स्तरीय स्कूली वॉलीबॉल प्रतियोगिता
5.	ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (GFF), 2025
6.	पूर्वी हिमालयी क्षेत्र में भूस्खलन
7.	'राष्ट्रीय ऊँट संधारणीयता पहल (NCSI)
8.	कोरल ट्रायंगल
9.	पीएम-सेतु योजना
10.	सेबेस्टियन लेकोर्नू : प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा
11.	फिजियोलॉजी/मेडिसिन का नोबेल पुरस्कार, 2025
12.	मीराबाई चानू
13.	अल ऐन मास्टर्स, 2025
14.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. नमो सेमीकंडक्टर लैब 2. दुनिया की सबसे ऊंची मोटेरेबल सड़क 3. मेरा होउ चोंगबा उत्सव : मणिपुर 4. जहाज अक्षर 5. भारत की पहली सहकारी-संचालित संपीड़ित बायो-गैस और पोटाश ग्रैन्युल परियोजना 6. ब्रिटेन का वीरता पुरस्कार : जॉर्ज मेडल

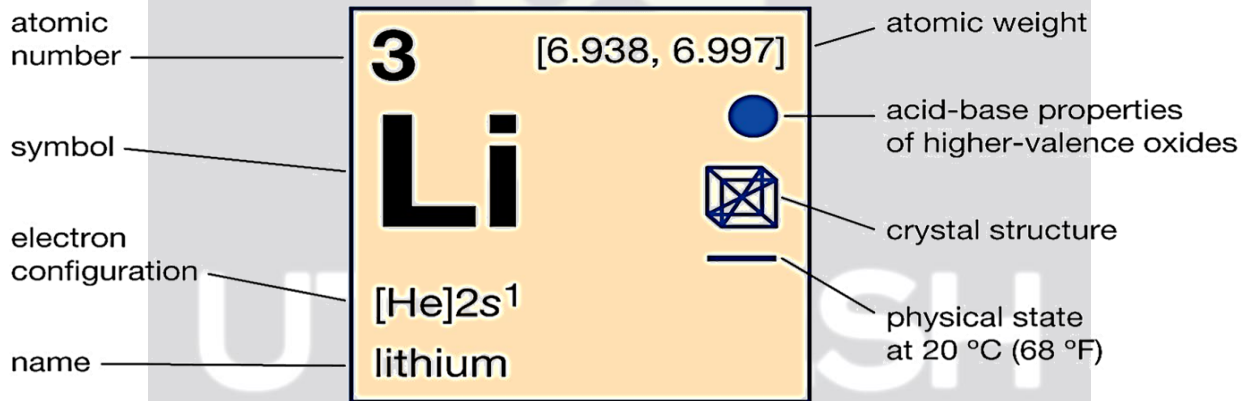


राजस्थान में लिथियम उत्पादन

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, केन्द्रीय खान मंत्रालय ने नागौर के डेगाना में लिथियम खनन की नीलामी प्रक्रिया की शुरुआत की।

Lithium



Alkali metals	Solid
Body-centred cubic	Strongly basic

मुख्य बिन्दु:

- डेगाना को राजस्थान की टंगस्टन नगरी कहा जाता है, लेकिन अब लिथियम भंडार मिलने से इसका सामरिक महत्त्व बढ़ेगा।
- भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) के सर्वे के अनुसार डेगाना (नागौर) की रेवंत डूंगरी पहाड़ियों में लिथियम भंडार मौजूद है।

लिथियम के बारे में:

- परमाणु क्रमांक : 3
- यह सबसे हल्का ठोस धातु है और क्षारीय धातुओं (Alkali metals) की श्रेणी में आती है।

- रंग में चाँदी जैसा सफेद, बहुत अधिक अभिक्रियाशील होती है इसलिए इसे तेल या निष्क्रिय गैसों के नीचे रखा जाता है।

उपयोग:

- **बैटरी निर्माण** : लिथियम-आयन बैटरियों में (मोबाइल, लैपटॉप, EVs, सौर ऊर्जा भंडारण)।
- **रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्र** : हल्के मिश्रधातु और उच्च ऊर्जा अनुप्रयोगों में।
- **अन्य उपयोग** : काँच, सिरेमिक, स्नेहक (Lubricants), औषधि (लिथियम लवण से मानसिक रोग उपचार)।

सामरिक महत्व :

- लिथियम को 'सफेद सोना (White Gold)' कहा जाता है क्योंकि यह ग्रीन एनर्जी ट्रांज़िशन की रीढ़ है।
- इलेक्ट्रिक वाहन और नवीकरणीय ऊर्जा युग में लिथियम वैश्विक शक्ति-संतुलन का हिस्सा बन गया है।
- **लिथियम त्रिकोण** : लिथियम त्रिकोण (Lithium Triangle) दक्षिण अमेरिका महाद्वीप का वह क्षेत्र है जहाँ विश्व के लगभग 60 प्रतिशत से अधिक लिथियम भंडार केंद्रित हैं। यह क्षेत्र तीन देशों; चिली, अर्जेंटीना और बोलीविया की सीमाओं पर स्थित है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु :

ब्यावर में कॉपर और सोने के भंडार :

- हाल ही में, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) ने ब्यावर जिले में कॉपर और सोने के भंडार मिलने की पुष्टि की।
- ब्यावर के कुरातियाँ और शाहपुरा क्षेत्र में मिले इन अयस्कों में सोने के साथ-साथ अन्य संबंधित धातुएँ भी शामिल हैं।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI)

- **स्थापना** : वर्ष 1851 में।
- **मुख्यालय** : कोलकाता।
- **छह क्षेत्रीय कार्यालय** : कोलकाता, लखनऊ, जयपुर, नागपुर, हैदराबाद और शिलांग।
- **कार्य** : राष्ट्रीय भू-वैज्ञानिक जानकारी और खनिज संसाधन का मूल्यांकन और विश्लेषण करना।

NFSA के तहत 'गिव अप अभियान'



चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, राजस्थान खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा गिव अप अभियान की अवधि को 31 अक्टूबर, 2025 तक बढ़ाए जाने की घोषणा की गई।



मुख्य बिन्दु:

- राजस्थान में 'गिव-अप अभियान' की शुरुआत 1 नवंबर, 2024 को हुई।
- अब तक गिव अप अभियान में लगभग 31 लाख अपात्र लोगों द्वारा स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा छोड़ी गई है। इससे बनी रिक्तियों व ई-केवाईसी नहीं करवाने से लगभग 60 लाख नए पात्र लाभार्थी खाद्य सुरक्षा से जुड़े हैं।
- इन नये लाभार्थियों को प्रतिमाह 5 किलोग्राम निःशुल्क गेहू के साथ मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना के तहत 450 रुपये में प्रति परिवार प्रतिवर्ष 12 घरेलू गैस सिलेण्डर, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में परिवार का निःशुल्क पंजीकरण एवं 25 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज तथा मुख्यमंत्री आयुष्मान दुर्घटना बीमा योजना में परिवार का 10 लाख रुपये तक का निःशुल्क दुर्घटना बीमा कवर का लाभ मिल रहा है।



फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स :

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA) 2013 :

- खाद्यान्न की दृष्टि से विश्व की सबसे बड़ी जन कल्याणकारी योजना के रूप में वर्ष 2013 में 'राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम' के द्वारा देश की 75 प्रतिशत ग्रामीण आबादी और 50 प्रतिशत शहरी आबादी की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु भारत सरकार द्वारा इसकी शुरुआत की गई।

NFSA के तहत निम्नलिखित माध्यमों से खाद्यान्न उपलब्ध करवाया जाता है:

- अंत्योदय अन्न योजना :** यह सबसे गरीब आबादी को कवर करती है। इसके तहत प्रति परिवार प्रति माह 35 किलोग्राम खाद्यान्न उपलब्ध करवाया जाता है।
- प्राथमिकता वाले परिवार (PHH):** PHH श्रेणी के अंतर्गत शामिल परिवार को प्रति व्यक्ति प्रति माह 5 किलोग्राम खाद्यान्न उपलब्ध करवाया जाता है।

नेशनल ट्राइबल फूड फेस्टिवल-2025 : उदयपुर



चर्चा में क्यों?

- भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में उदयपुर में 17 से 19 सितम्बर, 2025 तक 'नेशनल ट्राइबल फूड फेस्टिवल-2025' का आयोजन किया गया।



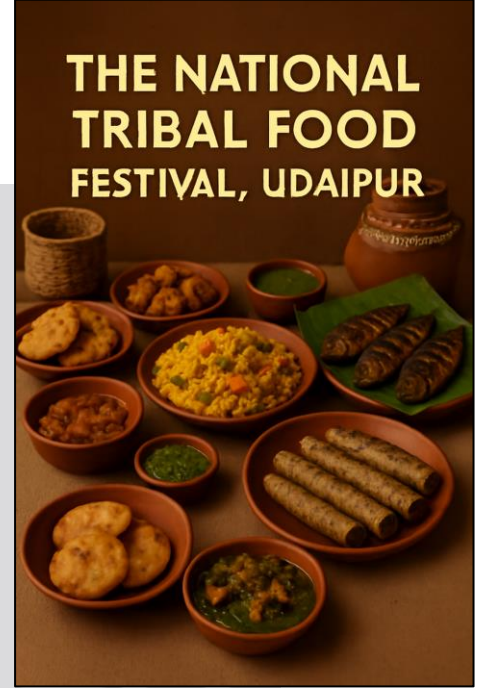
मुख्य बिन्दु:

- **आयोजक** : माणिक्यलाल वर्मा आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर।
- 'नेशनल ट्राइबल फूड फेस्टिवल' का आयोजन जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया जाता है।
- भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयन्ती (15 नवंबर, 2024 से 15 नवंबर, 2025 तक) को देश भर में 'जनजातीय गौरव वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है।
- राजस्थान के विभिन्न जनजाति बहुल जिलों से भील, मीणा, गरासिया एवं सहरिया जनजाति के पाक कलाकारों द्वारा विभिन्न प्रकार के खाद्यान्न इस फेस्टिवल में पेश किए गए।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

सहरिया जनजाति

- राजस्थान की 12 अधिसूचित जनजातियों में से सहरिया एकमात्र जनजाति है, जिसे पार्टिकुलर्ली वल्लनरेबल ट्राइबल ग्रुप्स (PVTG) में वर्गीकृत किया गया है।
- सहरिया को कोलारियान परिवार और भीलों की एक उप-शाखा माना जाता है। सहरिया समुदाय को सेहर, सैर, सवार, साओनार, सहरा आदि नामों से भी पुकारा जाता है।
- भारत की लगभग 7 प्रतिशत आदिवासी आबादी राजस्थान में रहती है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, मीणा, भील और गरासिया के बाद, सहरिया राजस्थान का चौथा सबसे बड़ा आदिवासी समुदाय है।
- सहरिया आबादी मुख्यरूप से बारां जिले की किशनगंज और शाहबाद तहसीलों में निवास करती है।



THE NATIONAL
TRIBAL FOOD
FESTIVAL, UDAIPUR

✂ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p>राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट - 2026</p> <ul style="list-style-type: none">4 से 6 जनवरी, 2026 तक 'राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट 2026' का आयोजन किया जाएगा।आयोजन स्थल : जयपुर।थीम : 'AI युग में सतत उद्यमिता - नए विचार, प्रभाव और सबको साथ लेना'।आयोजक विभाग : सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग (राजस्थान)।यह समिट AI, फिनटेक, एग्रीटेक, ऑगमेंटेड रियलिटी (AR) और वर्चुअल रियलिटी (VR), मीडियाटेक, प्रॉपटेक और उच्च शिक्षा जैसे क्षेत्रों पर केन्द्रित होगा।
2.	<p>जल जीवन मिशन के लिए ₹1507.16 करोड़ स्वीकृत</p> <ul style="list-style-type: none">हाल ही में, राजस्थान वित्त विभाग द्वारा विभिन्न जिलों के कई कार्यों के कार्यदेश हेतु जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को ₹1507.16 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई।मिशन : केंद्र सरकार द्वारा अगस्त, 2019 में देश के प्रत्येक ग्रामीण घर में नल से पेयजल आपूर्ति करने के उद्देश्य से राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के साथ साझेदारी से जल जीवन मिशन (JJM) की शुरुआत की गई।क्रियान्वयन : पेयजल और स्वच्छता विभाग (जल शक्ति मंत्रालय)।राजस्थान में क्रियान्वयन : राजस्थान में जल जीवन मिशन (JJM) के कार्यान्वयन की प्राथमिक ज़िम्मेदारी 'जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (PHED)' की है। जल राज्य सूची का विषय है।

3.

विश्व पशु कल्याण दिवस : राज्य स्तरीय कार्यक्रम

- **आयोजन** : प्रति वर्ष 4 अक्टूबर को 'विश्व पशु कल्याण दिवस' मनाया जाता है।
- **वर्ष 2025 की विषयवस्तु** : सेव एनिमल्स, सेव द प्लेनेट'।
- **समारोह** : वर्ष 2025 के विश्व पशु कल्याण दिवस का राज्य स्तरीय कार्यक्रम गौ पुनर्वास केंद्र, हिंगोनिया गौशाला, जयपुर में आयोजित किया गया।
- **आयोजक** : पशुपालन विभाग एवं राज्य जीव जंतु कल्याण बोर्ड।
- वर्तमान में 'राजस्थान राज्य जीव-जंतु कल्याण बोर्ड' के अध्यक्ष जसवंत सिंह बिश्नोई है।

4.

44वाँ इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर : राजस्थान साझेदार राज्य

- 14 से 27 नवम्बर, 2025 तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर (IITF) का 44वाँ संस्करण आयोजित किया जाएगा। IITF-2025 में राजस्थान को 'पार्टनर स्टेट' का दर्जा दिया गया है।
- **IITF - 2025 की थीम** : एक भारत - श्रेष्ठ भारत।
- IITF में 18 नवम्बर, 2025 को 'स्टेट डे-राजस्थान दिवस' मनाया जाएगा। इसमें राजस्थान की कला एवं संस्कृति का जीवंत प्रदर्शन किया जाएगा।

5.

उर्वशी चौहान : 'अंतरराष्ट्रीय शिक्षक रत्न' मानद उपाधि

- अंतरराष्ट्रीय शिक्षक दिवस (5 अक्टूबर) के अवसर पर जोधपुर की शिक्षिका एवं कवयित्री उर्वशी चौहान को साहित्य सृजन और शिक्षा क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान हेतु 'अंतरराष्ट्रीय शिक्षक रत्न' मानद उपाधि से सम्मानित किया गया।
- उन्हें यह सम्मान नेपाल की प्रतिष्ठित संस्था 'शब्द प्रतिभा बहुक्षेत्रीय सम्मान फाउंडेशन' द्वारा प्रदान किया गया।

6.

16वीं विधानसभा का चौथा सत्र

- राजस्थान की 16वीं विधानसभा का चौथा सत्र 1 से 10 सितंबर, 2025 तक आयोजित किया गया। 6 अक्टूबर, 2025 को राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने आदेश जारी कर विधानसभा का सत्रावसान किया।
- चौथे सत्र के दौरान विधानसभा में छह बैठकों में सात विधेयक पेश किए और नौ विधेयक पारित किए गए।

विधेयक जो पारित हुए :

1. राजस्थान भू-राजस्व (संशोधन और विधिमान्यकरण) विधेयक, 2025
2. राजस्थान कोचिंग सेंटर (नियंत्रण और विनियमन) विधेयक, 2025
3. राजस्थान विनियोग (संख्या - 3) विधेयक, 2025
4. राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2025
5. कारखाना (राजस्थान संशोधन) विधेयक, 2025
6. राजस्थान माल और सेवा कर (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2025
7. राजस्थान मत्स्य-क्षेत्र (संशोधन) विधेयक, 2025
8. राजस्थान आयुर्विज्ञान संस्थान, जयपुर विधेयक, 2025
9. राजस्थान विधिविरुद्ध धर्म-संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक, 2025

7.

ललित तिवारी : राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार से सम्मानित

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी, जयपुर के छात्र ललित तिवारी को सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 'राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार-2022-23' से सम्मानित किया।
- राष्ट्रपति भवन में आयोजित अलंकरण समारोह में राष्ट्रपति ने देशभर के विभिन्न राज्यों से कुल 10 राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) इकाइयों और उनके कार्यक्रम अधिकारी तथा 30 NSS स्वयंसेवकों को वर्ष 2022-23 के लिए दो श्रेणियों में NSS पुरस्कार प्रदान किए।

Daily Current Affairs

Date : 07 October, 2025



8. **ज्योति चौधरी : राजस्थान T-20 क्रिकेट टीम की नई कप्तान**
- जयपुर की ज्योति चौधरी को हाल ही में राजस्थान की महिला T-20 टीम का नया कप्तान चुना गया।
9. **28वाँ लोकरंग महोत्सव : जयपुर**
- **आयोजन :** 7 से 17 अक्टूबर, 2025 तक जवाहर कला केंद्र (JKK), जयपुर।
10. **69वीं राज्य स्तरीय स्कूली वॉलीबॉल प्रतियोगिता**
- राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद द्वारा संचालित वॉलीबॉल एकेडमी ने बांदीकुई, दौसा में आयोजित 69वीं राज्य स्तरीय स्कूली वॉलीबॉल प्रतियोगिता में दो खिताब जीते।
 - **अंडर-19 गर्ल्स फाइनल :** बीकानेर को 3-0 से हराया।
 - **अंडर-17 गर्ल्स फाइनल :** भीलवाड़ा को 3-1 से हराया।



--9:--



उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (GFF), 2025



Government of India
Ministry of Statistics and Programme Implementation



75 National
Sample
Survey
Celebrating 75 years of NSS



GLOBAL
FINTECH
FEST
— 2025

It's time to witness the future of digital innovation!



See you tomorrow at the

MoSPI's pavilion

at the Global Fintech Festival-2025



7 to 9th Oct 2025



Jio World Centre, Mumbai, India

Hall: Pavilion, Stall No. - X22



www.mospi.gov.in



@GoStats /goistats

in GoStats Ministry of Statistics & PI

--:10:--

Daily Current Affairs

Date : 07 October, 2025



मुख्य बिन्दु:

- **आयोजन** : 7 से 9 अक्टूबर, 2025 तक मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में।
- **संस्करण** : छठा संस्करण।
- **महोत्सव का विषय** : 'AI द्वारा संचालित एक बेहतर दुनिया के लिए वित्त का सशक्तिकरण' है।
- **आयोजक** : पेमेंट्स काउंसिल ऑफ इंडिया (PCI), नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) और फिनटेक कन्वर्जेंस काउंसिल (FCC) द्वारा।
- इसे इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MEITY), NEST - विदेश मंत्रालय (MEA), वित्तीय सेवा विभाग (DFS), वित्त मंत्रालय, आर्थिक मामलों का विभाग (DEA), वित्त मंत्रालय, उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT), भारतीय रिजर्व बैंक (RBI), अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (IFSCA) और इन्वेस्ट इंडिया का समर्थन प्राप्त है।

मुख्य विशेषताएँ :

1. **एआई ज़ोन** - पहली बार, इस कार्यक्रम में एक समर्पित एआई ज़ोन होगा।
 2. **नीति गोलमेज सम्मेलन** - नियम और नवाचार का मिलन
 3. **भारत में फिनटेक हैकैथॉन** - नवाचार का प्रदर्शन
 4. **ग्लोबल फिनटेक अवार्ड्स, 2025**
 5. **मुंबई में नेटवर्किंग कार्यक्रम**
- फिनटेक समाधान 2030 तक 7 ट्रिलियन अमरीकी डालर की अर्थव्यवस्था के भारत के लक्ष्य में योगदान कर सकते हैं।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

फिनटेक :

- फिनटेक शब्द वित्त (Finance) और प्रौद्योगिकी (Technology) से मिलकर बना है।
- फिनटेक, प्रौद्योगिकियों का उपयोग करने वाले स्टार्ट-अप एवं अन्य कंपनियाँ हैं।
- यह वित्तीय प्रणालियों के निर्माण एवं वित्तीय सेवाओं के वितरण को प्रौद्योगिकी के प्रयोग के माध्यम से अधिक दक्ष बनाती है।

विश्व फिनटेक दिवस, 2025 :

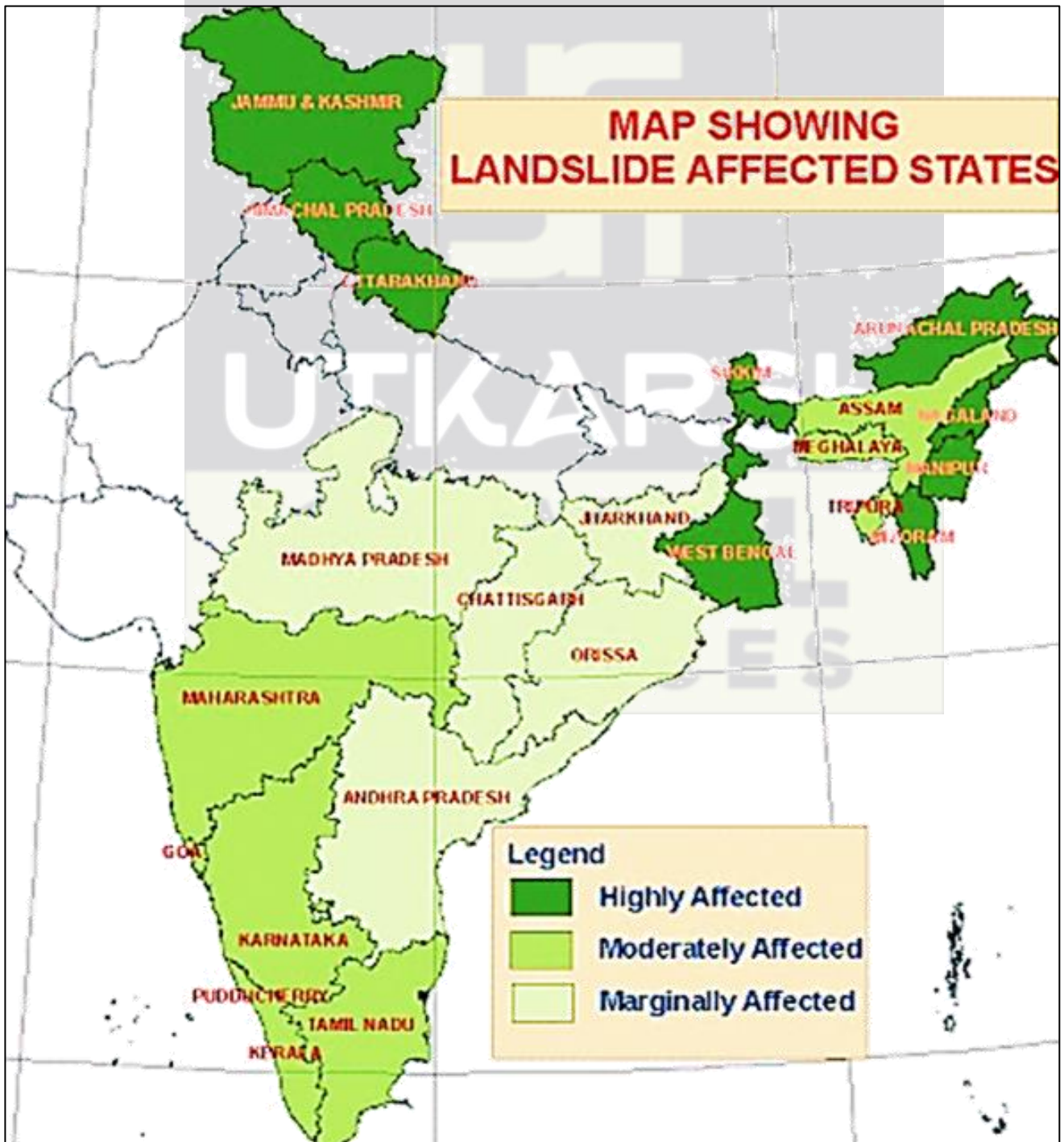
- **तिथि** : 1 अगस्त
- **कारण** : यह दिवस वर्ष 1464 में एक इतालवी बैंकर और राजनीतिज्ञ कोसिमो डी 'मेडिसी की पुण्यतिथि के सम्मान में मनाया जाता है।

--:11:--

पूर्वी हिमालयी क्षेत्र में भूस्खलन

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग और कलिम्पोंग जिलों में भारी बारिश के कारण कई जगह भूस्खलन की घटनाएँ दर्ज की गईं।



--:12:--



मुख्य बिन्दु:

- **भूस्खलन परिभाषा:** भूस्खलन गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव में भारी मात्रा में चट्टान, मिट्टी या मलबे जैसी सामग्री का ढलान से नीचे की ओर खिसकना या गिरना है।
- **भूस्खलन के प्रति भारत की सुभेद्यता:** इसरो के 2023 के 'लैंडस्लाइड एटलस ऑफ इंडिया' के अनुसार, भारत का 12.6% भूभाग भूस्खलन के खतरे के प्रति सुभेद्य है।
- इसमें से तीन-चौथाई से अधिक हिस्सा अकेले हिमालयी क्षेत्र में स्थित है।

हिमालयी क्षेत्र भूस्खलन के प्रति अधिक सुभेद्य?

प्राकृतिक कारण:

- **विवर्तनिकी और भूविज्ञान:** हिमालय एक युवा वलित पर्वत है। इसमें भ्रंश एवं दरारें हैं, जो इस क्षेत्र को स्वाभाविक रूप से अस्थिर बनाते हैं।
- **वर्षा और चरम मौसमी घटनाएँ:** मानसूनी वर्षा के साथ-साथ बादल फटने तथा बर्फ पिघलने से मृदा संतृप्त हो जाती है। इससे ढलानों की स्थिरता कम हो जाती है।
- **अन्य:** भूकंपीय गतिविधि, खड़ी ढलानें, खराब जल निकासी और अचानक बाढ़ आदि मिलकर इस अस्थिरता को बढ़ाते हैं।

मानवजनित कारण:

- **अव्यवस्थित निर्माण:** सड़कों की कटाई, सुरंग निर्माण आदि।
- **अन्य:** खनन, शहरीकरण से होने वाले भूमि-उपयोग परिवर्तन, वनों की कटाई व वन भूमि का अतिक्रमण आदि।

'राष्ट्रीय ऊँट संधारणीयता पहल (NCSI)

चर्चा में क्यों?

- ऊँटों पर ड्राफ्ट पॉलिसी पेपर में 'राष्ट्रीय ऊँट संधारणीयता पहल (NCSI)' का प्रस्ताव किया गया। यह ड्राफ्ट पॉलिसी पेपर खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) के परामर्श से मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय ने तैयार किया है।

मुख्य बिन्दु:

- 1970 के दशक से अब तक भारत में ऊँटों की संख्या में 75% से अधिक की गिरावट आई है।

सिफारिशें:

- राष्ट्रीय ऊँट संधारणीयता पहल (NCSI) शुरू करना,
- चराई के लिए चरागाह भूमि को सुरक्षित करना,
- ऊँट आधारित डेयरी संबंधी मूल्य श्रृंखलाओं को मजबूत करना,
- ऊँट आधारित पर्यटन को पुनर्जीवित करना,
- पशु चिकित्सा और आनुवंशिक संरक्षण कार्यक्रम शुरू करना आदि शामिल हैं।

ऊँट (रेगिस्तान का जहाज)

- ऊँट शुष्क भूमि संबंधी पारिस्थितिकी-तंत्र के लिए अनुकूल होते हैं। ऊँट पालन मुख्य रूप से राजस्थान और गुजरात (90%) में किया जाता है।
- ऊँट पालन से जुड़े पशुपालक समुदायों में रायका, रेबारी, फकीरानी जाट और मांगणियार समुदाय शामिल हैं।
- **विशेषताएँ:** ये बिना पानी पिए कई दिन तक जीवित रह सकते हैं, ये लम्बी दूरी तक जा सकते हैं, ये कांटेदार रेगिस्तानी पौधों को खा सकते हैं आदि।

Daily Current Affairs

Date : 07 October, 2025



- ऊंटों के कूबड़ में वसा का भंडार होता है, जो उन्हें भोजन की कमी होने पर ऊर्जा प्रदान करती है। साथ ही, ऊंट अपने कूबड़ में नहीं बल्कि रक्त कोशिकाओं में पानी जमा करते हैं।
भारत में ऊंटों की प्रमुख नस्लें
- **बीकानेरी (राजस्थान):** इसका आमतौर पर गाड़ी खींचने और भारी काम के लिए उपयोग किया जाता है।
- **जैसलमेरी (राजस्थान):** यह लंबी और पतली नस्ल, विशेष रूप से थार रेगिस्तान में ऊंट सफारी के लिए उपयोग की जाती है।
- **मेवाड़ी (राजस्थान):** दुग्ध उत्पादन के लिए जाना जाता है।
- **कच्छी (गुजरात):** यह भार ढोने वाली नस्ल है।
- **खराई (गुजरात):** यह तटीय और मैंग्रोव पारिस्थितिकी-तंत्र के अनुकूल और एक उत्कृष्ट तैराक प्रजाति है।
- **दो कूबड़ वाला बैक्ट्रियन ऊंट:** भारत में ये विशेष रूप से लद्दाख के अधिक ऊँचाई वाले शीत मरुस्थल में पाए जाते हैं।

-:15:-

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

कोरल ट्रायंगल



चर्चा में क्यों?

- फिलीपींस ने प्रवाल भित्तियों (रीफ) की जैव विविधता को संरक्षित करने के लिए एक कोरल लार्वा क्रायोबैंक शुरू किया है।



मुख्य बिन्दु:

- **उद्देश्य:** प्रवाल के 'बीजों' को भविष्य में पुनर्स्थापन और अनुसंधान के लिए फ्रीज करके रखना है।

कोरल ट्रायंगल: समुद्रों का अमेजन

- **स्थान:** यह लगभग 5.7 मिलियन वर्ग किलोमीटर का समुद्री क्षेत्र है, जो इंडोनेशिया, मलेशिया, पापुआ न्यू गिनी, फिलीपींस, सोलोमन द्वीप समूह और तिमोर-लेस्ते तक फैला हुआ है।
- यह दुनिया का सबसे समृद्ध समुद्री जैव विविधता वाला क्षेत्र है।
- इसमें दुनिया की 75% से अधिक प्रवाल प्रजातियाँ, रीफ मछली प्रजातियों की एक-तिहाई प्रजातियाँ, और विस्तृत मेंग्रोव वन पाए जाते हैं।

महत्त्वपूर्ण योजनाएँ

पीएम-सेतु योजना

चर्चा में क्यों?

- प्रधान मंत्री ने पीएम-सेतु/ PM-SETU (प्रधान मंत्री स्किलिंग एंड एम्प्लॉयबिलिटी ट्रांसफॉर्मेशन थ्रु अपग्रेडेड ITIs) को लॉन्च किया।

मुख्य बिन्दु:

पीएम-सेतु योजना:

- **कार्यान्वयन:** इस योजना को कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय के द्वारा लागू किया जाएगा। पीएम-सेतु योजना को हब-एंड-स्पोक मॉडल द्वारा लागू किया जाएगा। इसमें 200 हब ITIs को 800 स्पोक ITIs से जोड़ा जाएगा।
- **प्रकार:** केंद्र प्रायोजित योजना।
- **उद्देश्य:** देश भर में 1,000 सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं को आधुनिक व उद्योग के अनुकूल प्रशिक्षण संस्थाओं में रूपांतरित करना।

इस योजना के मुख्य घटक:

- उद्योगों के साथ मिलकर नए व मांग-आधारित पाठ्यक्रम शुरू करना और मौजूदा पाठ्यक्रमों में आवश्यक सुधार करना।
- क्लस्टर का प्रबंधन और परिणाम-आधारित प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के लिए उद्योग भागीदारों के साथ स्पेशल पर्पस व्हीकल्स (SPVs) स्थापित करना।
- दीर्घकालिक डिप्लोमा, अल्पकालिक पाठ्यक्रम और एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम्स के लिए मार्ग खोलना।

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं (ITIs) के बारे में

- **संरचना:** राज्य सरकारों के अधीन संचालित ITIs 1950 के दशक से भारत में व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (VET) की बुनियाद रहे हैं।
- **ITIs का प्रत्यायन:** यह प्राधिकार कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय के अंतर्गत व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण (VET) के शीर्ष संगठन प्रशिक्षण महानिदेशालय (DGT) को सौंपा गया है।

व्यक्तित्व

सेबेस्टियन लेकोर्नू : प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा

चर्चा में क्यों?

- 6 अक्टूबर, 2025 को फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने महज 27 दिन के कार्यकाल के बाद इस्तीफा दे दिया।



मुख्य बिन्दु:

- पदभार ग्रहण :** 9 सितंबर, 2025
- गत 13 माह में लेकोर्नू फ्रांस के चौथे प्रधानमंत्री बने थे।
- फ्रांसीसी लोकतंत्र के 236 वर्ष के इतिहास में ये पहली बार है, जब किसी पीएम ने इतनी कम अवधि में इस्तीफा दिया है।
- फ्रांस में प्रधानमंत्री पद पर लगातार बदलाव का कारण वर्ष 2024 के आम चुनाव के बाद से संसद में किसी पार्टी का बहुमत न होना है।

Daily Current Affairs

Date : 07 October, 2025



अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

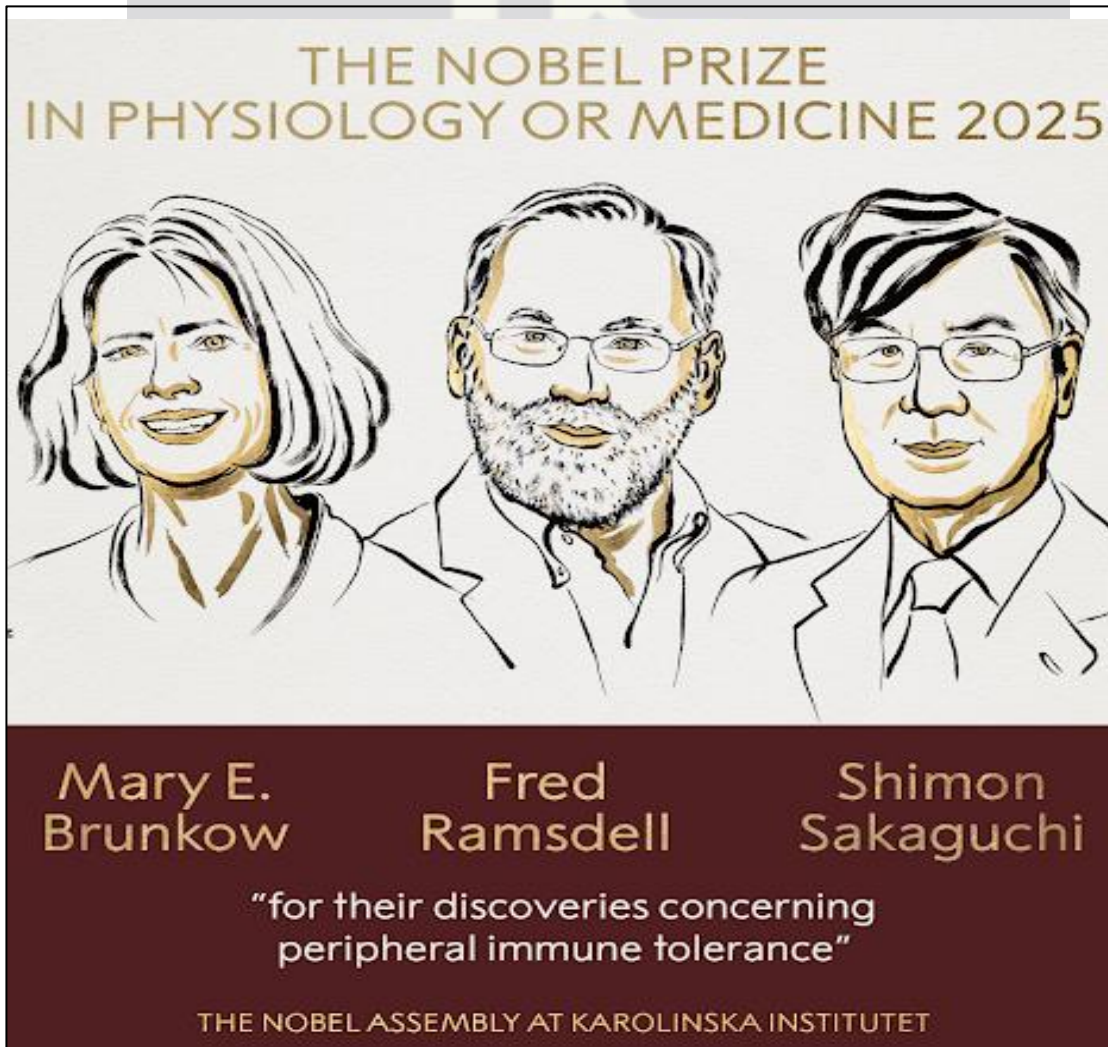


पुरस्कार

फिजियोलॉजी/मेडिसिन का नोबेल पुरस्कार, 2025

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, वर्ष 2025 का फिजियोलॉजी या मेडिसिन का नोबेल पुरस्कार मैरी ई. ब्रुनको, फ्रेड रामस्टेल और शिमोन साकागुची को प्रदान किया गया है।



मुख्य बिन्दु:

- खोज : यह सम्मान "परिधीय प्रतिरक्षा सहिष्णुता (Peripheral Immune Tolerance)" से संबंधित उनकी अग्रणी खोजों के लिए दिया गया है।

--:20:--

Daily Current Affairs

Date : 07 October, 2025



- **पुरस्कार में शामिल :** 11 मिलियन स्वीडिश क्रोनर (तीनों में समान रूप से विभाजित) + सर्टिफिकेट (Diploma) + मेडल (Medal)।
- **प्रदानकर्ता संस्था :** करोलिंस्का इंस्टिट्यूट की नोबेल असेंबली।

नोबेल विजेता :

विजेता	देश	योगदान
मैरी ई. ब्रुनको	वरिष्ठ कार्यक्रम प्रबंधक, इंस्टिट्यूट फॉर सिस्टम्स बायोलॉजी, सिएटल, अमेरिका।	वर्ष 2001 में, ब्रुनको और रामस्टेल ने Foxp3 जीन की पहचान की, जो प्रतिरक्षा प्रणाली के नियंत्रण में केंद्रीय भूमिका निभाता है।
फ्रेड रामस्टेल	वैज्ञानिक सलाहकार, सोनोमा बायोथेरेप्यूटिक्स, सैन फ्रांसिस्को, अमेरिका।	उन्होंने दिखाया कि इस जीन में उत्परिवर्तन से मनुष्यों और चूहों में गंभीर स्वप्रतिरक्षी विकार जैसे IPEX सिंड्रोम उत्पन्न होते हैं।
शिमोन साकागुची	प्रतिष्ठित प्रोफेसर, इम्यूनोलॉजी फ्रंटियर रिसर्च सेंटर, ओसाका विश्वविद्यालय, जापान।	वर्ष 1995, प्रतिरक्षा कोशिकाओं के एक नए वर्ग की पहचान की, जिन्हें बाद में Regulatory T cells (Tregs) कहा गया।

खोजों का संयोजन : वर्ष 2003 में, साकागुची ने यह सिद्ध किया कि Foxp3 जीन नियामक टी कोशिकाओं (Tregs) के निर्माण के लिए आवश्यक है।

--:21:--

- **खोज का सार :** नियामक T कोशिकाएँ और Foxp3 जीन
- **नियामक T कोशिकाएँ :** इन वैज्ञानिकों के शोध ने नियामक टी कोशिकाओं (Regulatory T cells - Tregs) की पहचान की, जो विशेष प्रतिरक्षा कोशिकाएँ शरीर की अपनी कोशिकाओं पर गलती से हमला करने से रोकने के लिए "सुरक्षा रक्षक" की भूमिका निभाती हैं।
- **Foxp3 जीन की खोज:** यह जीन Treg कोशिकाओं के विकास और प्रतिरक्षा सहिष्णुता के नियंत्रण में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

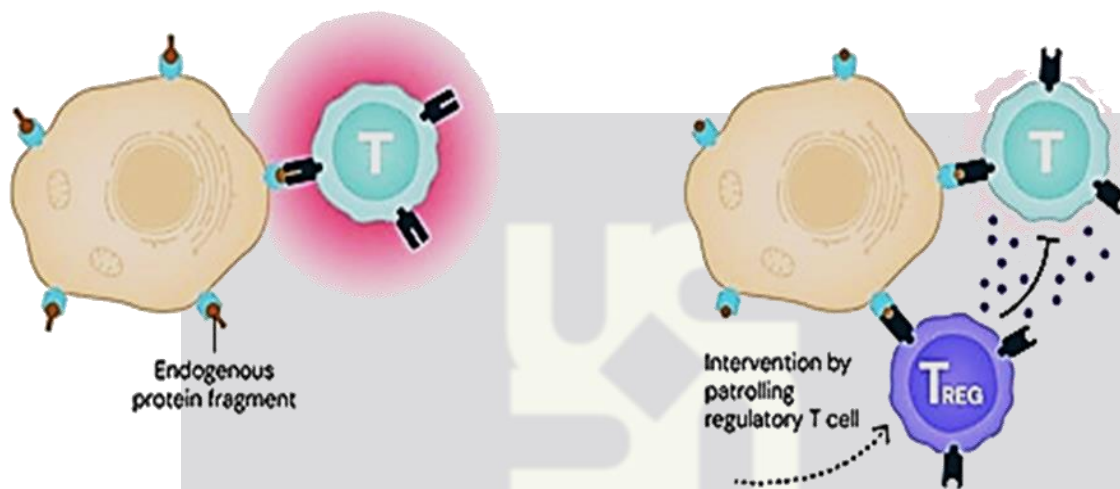
अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु :

- **Note:** फिजियोलॉजी या मेडिसिन में वर्ष 2024 का नोबेल पुरस्कार अमेरिकी वैज्ञानिक विक्टर एम्ब्रोस और गैरी रुवकुन को माइक्रोआरएनए की खोज और पोस्ट-ट्रांसक्रिप्शनल जीन विनियमन में इसकी भूमिका के लिए संयुक्त रूप से प्रदान किया गया था।
- **परिधीय प्रतिरक्षा सहिष्णुता (Peripheral Immune Tolerance) :** शरीर की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को स्वस्थ ऊतकों पर हमला करने से रोकती है। वैज्ञानिकों ने पाया कि फॉक्सपी 3 प्रोटीन नियामक टी कोशिकाओं (regulatory T cells) का नियंत्रण करता है, जो ऑटोइम्यून रोगों जैसे मल्टीपल स्क्लेरोसिस, टाइप 1 डायबिटीज और रूमेटॉइड आर्थराइटिस को रोकने में सहायक हैं। उनकी खोज ने कैंसर इम्यूनोथेरेपी और अंग प्रत्यारोपण में क्रांति ला दी।

How regulatory T cells protect us

1 A T cell that has slipped through the test in the thymus reacts to a fragment from one of the body's proteins.

2 Regulatory T cells discover that the attack is a mistake and calm it down. This prevents autoimmune diseases.



नोबेल पुरस्कार :

- **स्थापना :** अल्फ्रेड नोबेल (Alfred Nobel) (डायनामाइट के आविष्कारक)
- **पहला नोबेल पुरस्कार :** वर्ष 1901 में प्रदान किया गया।

पुरस्कार की श्रेणियाँ : 6 क्षेत्रों में प्रदान किया जाता है;

साहित्य (Literature)	साहित्यिक उत्कृष्टता और मानव संस्कृति में योगदान के लिए।
शांति (Peace)	वैश्विक शांति, संघर्ष समाधान और मानवाधिकार में योगदान के लिए।
भौतिकी (Physics)	प्राकृतिक जगत के नियमों और भौतिक विज्ञान में खोज के लिए।
रसायन विज्ञान (Chemistry)	रसायन विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण खोजों के लिए।

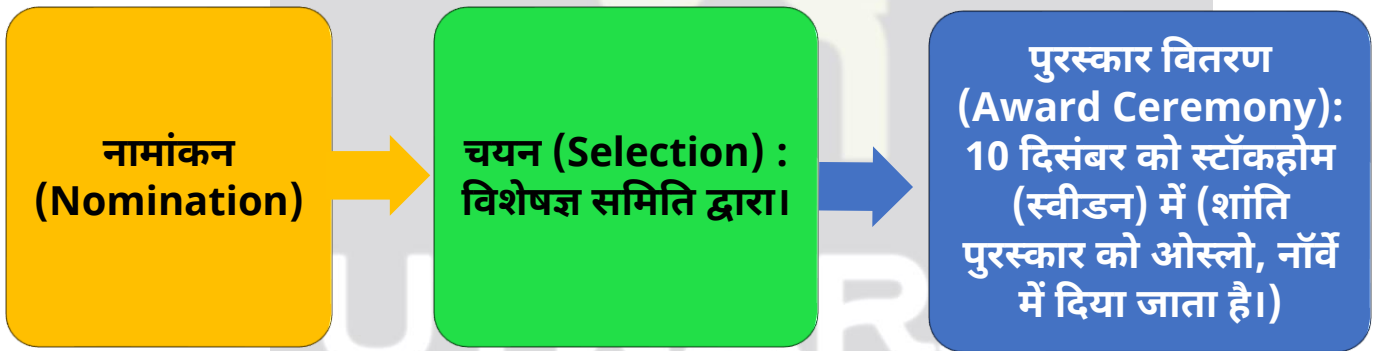
Daily Current Affairs

Date : 07 October, 2025



फिजियोलॉजी या मेडिसिन (Physiology or Medicine)	चिकित्सा और जीव विज्ञान के क्षेत्र में असाधारण योगदान के लिए।
अर्थशास्त्र (Economic Sciences)	आर्थिक विज्ञान में असाधारण योगदान के लिए (स्थापना : वर्ष 1968)।

पुरस्कार की प्रक्रिया



--:24:--



मीराबाई चानू

चर्चा में क्यों?

- भारतीय वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने नॉर्वे के फोर्ड में आयोजित विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप, 2025 में 48 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीत लिया है।



मीराबाई चानू का वर्ल्ड चैंपियनशिप में प्रदर्शन



सिल्वर

2025



सिल्वर

2022



गोल्ड

2017

Daily Current Affairs

Date : 07 October, 2025



मुख्य बिन्दु:

पदक :

स्वर्ण पदक	रि सोंग गम (उत्तर कोरिया)	213 किलोग्राम (नया विश्व रिकॉर्ड)
रजत पदक	मीराबाई चानू (भारत)	199 किलोग्राम
कांस्य पदक	थान्याथोन सुकाचारो (थाईलैंड)	198 किलोग्राम

- उत्तर कोरिया की री सोंग-गुम ने स्नैच (91 किग्रा), क्लीन एंड जर्क (122 किग्रा) और कुल भार (213 किग्रा) में तीन विश्व रिकॉर्ड तोड़ते हुए स्वर्ण पदक जीता।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

अवॉर्ड :

- वर्ष 2013 में पिनांग कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में गोल्ड जीता।
- वर्ष 2014 में कॉमनवेल्थ गेम्स ग्लासगो में सिल्वर जीता।
- वर्ष 2018 में कॉमनवेल्थ गेम्स गोल्ड कोस्ट में गोल्ड जीता।
- वर्ष 2021 में टोक्यो ओलिंपिक में सिल्वर जीता, मणिपुर पुलिस में ASP का पद मिला।
- वर्ष 2022 में कॉमनवेल्थ गेम्स बर्मिंघम में गोल्ड जीता।
- वर्ष 2018 में भारत का सर्वोच्च खेल सम्मान राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार और पद्म श्री से सम्मानित किया गया।

--:26:--

अल ऐन मास्टर्स, 2025

चर्चा में क्यों?

- बैडमिंटन में, भारतीय शटलरों ने अबू धाबी के खलीफा बिन जायद स्टेडियम में अल ऐन मास्टर्स, 2025 में महिला एकल और पुरुष युगल दोनों खिताब जीत लिए।

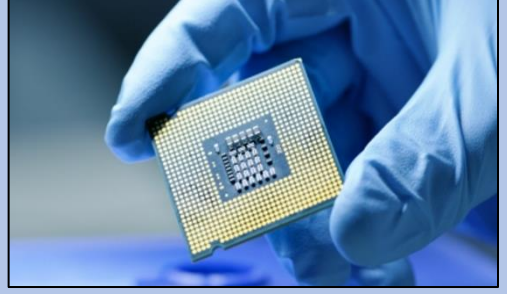



मुख्य बिन्दु:

- अल ऐन मास्टर्स, एक BWF वर्ल्ड टूर सुपर 100 टूर्नामेंट हैं।
- आयोजन : 30 सितंबर से 5 अक्टूबर, 2025 तक खलीफा बिन जायद स्टेडियम, अबू धाबी, अमीरात में आयोजित किया गया।
- आयोजक : यूई बैडमिंटन फेडरेशन द्वारा।
- सहयोग : अबू धाबी स्पोर्ट्स काउंसिल द्वारा।
- भागीदार देश : 55 देशों के 250 शटलर
- टूर्नामेंट का लक्ष्य : अल ऐन 2028 ओलंपिक से पहले मूल्यवान विश्व रैंकिंग अंक हासिल करना।

	महिला एकल खिताब	पुरुष युगल खिताब
विजेता	श्रेयांशी वलीशेट्टी (भारत)	हरिहरन अम्साकरुनन और अर्जुन मदाथिल रामचंद्रन (भारत)
हराया	हमवतन तस्नीम (भारत)	रेमंड इंद्र और निकोलस जोआक्विन (इंडोनेशिया)

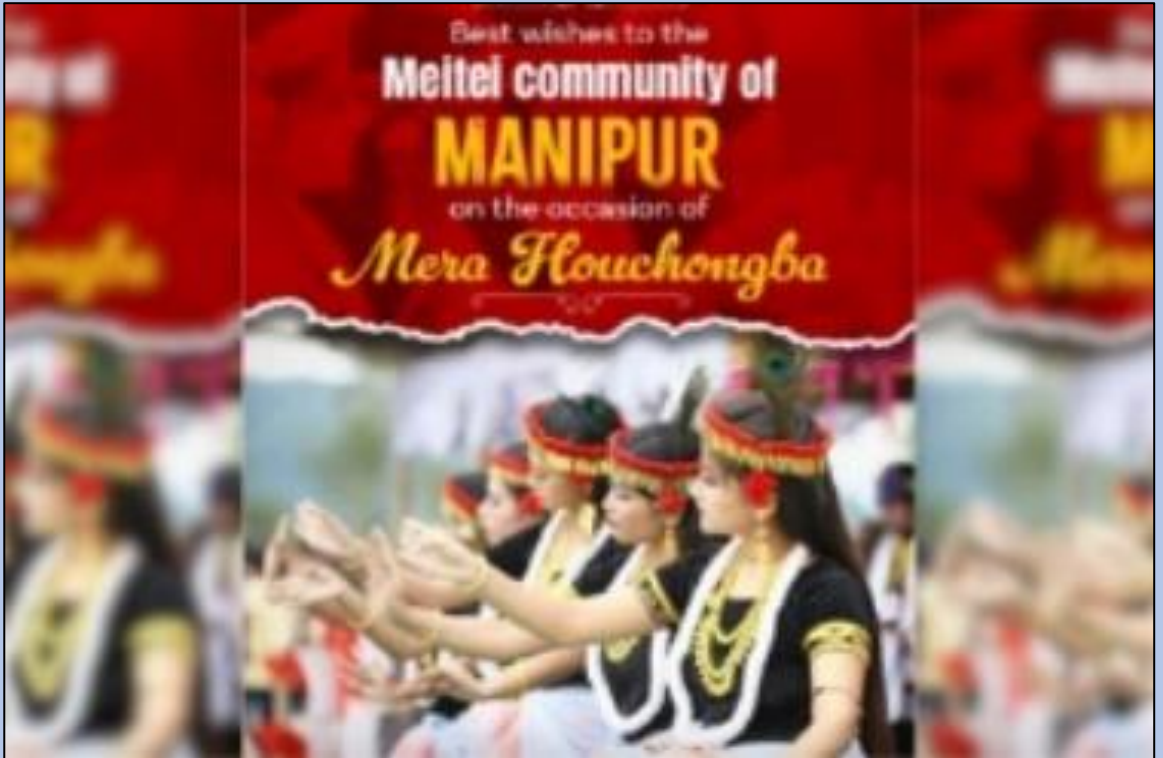
✂ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p>नमो सेमीकंडक्टर लैब</p> <ul style="list-style-type: none">■ केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने IIT भुवनेश्वर में 'नमो सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला' की स्थापना को मंजूरी दे दी है।■ इसका उद्देश्य सेमीकंडक्टर डिज़ाइन, निर्माण और पैकेजिंग में भारत की प्रतिभाओं को मज़बूत करना है।■ इसे MPLAD योजना के तहत वित्त पोषित किया जाएगा।■ हाल ही में, ओडिशा में भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत दो प्रमुख परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है - सिलिकॉन कार्बाइड (SiC) आधारित यौगिक सेमीकंडक्टर के लिए एक एकीकृत सुविधा और एक उन्नत 3D ग्लास पैकेजिंग सुविधा। 
2.	<p>दुनिया की सबसे ऊंची मोटरेबल सड़क</p>  <ul style="list-style-type: none">■ सीमा सड़क संगठन (BRO) के प्रोजेक्ट हिमांक ने लद्दाख में समुद्र तल से 19,400 फीट ऊपर मिग ला दर्रे पर विश्व की सबसे ऊँची मोटर योग्य सड़क का निर्माण करके अपना ही गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

- यह वर्ष 2021 में उमलिंग ला (19,024 फीट) में बनाए गए पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देता है।
- यह सड़क लिकारू-मिग ला-फुकचे धुरी में एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जो फुकचे एयरफील्ड को चीन के साथ लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (LAC) से जोड़ती है।
- मिग ला दर्रा लद्दाख के चांगथांग पठार पर स्थित है।
- **प्रोजेक्ट हिमांक:** इस परियोजना को वर्ष 1985 में लेह में लद्दाख क्षेत्र में सड़क संपर्क के विकास के लिए शुरू किया गया था।

3.

मेरा होउ चोंगबा उत्सव : मणिपुर



- मेरा होउ चोंगबा उत्सव मणिपुर में हर वर्ष मेइती कैलेंडर के मेरा महीने के 15वें चंद्र दिवस पर मनाया जाता है।
- मेरा होउ चोंगबा मणिपुर का एकमात्र ऐसा त्योहार है जिसमें सभी स्वदेशी समुदाय भाग लेते हैं, और मणिपुर की एकता और सांप्रदायिक सद्भाव में इसका महत्वपूर्ण योगदान है।

4.

जहाज अक्षर



- भारतीय तटरक्षक बल (ICG) ने पुडुचेरी के कराईकल में आठ अदम्य श्रेणी के तीव्र गश्ती पोतों (FPV) में से दूसरे, अक्षर नामक जहाज का जलावतरण किया।
- 51 मीटर लंबे इस FPV को 60 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री से डिज़ाइन किया गया है।
- इस पोत में एक एकीकृत ब्रिज सिस्टम (IBS), एकीकृत प्लेटफॉर्म प्रबंधन प्रणाली (IPMS) और स्वचालित ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली (APMS) भी है, जो परिचालन दक्षता और स्वचालन को बढ़ाता है।

5.

भारत की पहली सहकारी-संचालित संपीडित बायो-गैस और पोटेश ग्रैनुल परियोजना

- केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले के कोपरगांव में सहकार महर्षि शंकरराव कोल्हे सहकारी चीनी कारखाने में भारत की पहली सहकारी-आधारित संपीडित बायो-गैस (CNG) और स्प्रे ड्रायर पोटेश ग्रैनुल परियोजना का उद्घाटन किया।



--:30:--

6.

ब्रिटेन का वीरता पुरस्कार : जॉर्ज मेडल



- भारतीय मूल की ब्रिटिश छात्रा ग्रेस ओ'मैली-कुमार (मरणोपरांत) को 13 जून, 2023 को नॉटिंगहम में हुए एक हथियारबंद हमले में हस्तक्षेप करने के लिए जॉर्ज मेडल से सम्मानित किया गया है।

